يَـٰٓأَيُّهَا ٱلَّذِينَ ءَامَنُوٓاْ إِن تُطِيعُواْ ٱلَّذِينَ كَفَرُواْ يَرُدُّوكُمۡ عَلَىٰٓ
أَعۡقَٰبِكُمۡ فَتَنقَلِبُواْ خَٰسِرِينَ ﴿١٤٩﴾ بَلِ ٱللَّهُ مَوۡلَىٰكُمۡۖ وَهُوَ
خَيۡرُ ٱلنَّٰصِرِينَ ﴿١٥٠﴾ سَنُلۡقِي فِي قُلُوبِ ٱلَّذِينَ كَفَرُواْ ٱلرُّعۡبَ
بِمَآ أَشۡرَكُواْ بِٱللَّهِ مَا لَمۡ يُنَزِّلۡ بِهِۦ سُلۡطَٰنٗاۖ وَمَأۡوَىٰهُمُ ٱلنَّارُۖ
وَبِئۡسَ مَثۡوَى ٱلظَّٰلِمِينَ ﴿١٥١﴾ وَلَقَدۡ صَدَقَكُمُ ٱللَّهُ وَعۡدَهُۥٓ إِذۡ
تَحُسُّونَهُم بِإِذۡنِهِۦۖ حَتَّىٰٓ إِذَا فَشِلۡتُمۡ وَتَنَٰزَعۡتُمۡ فِي ٱلۡأَمۡرِ
وَعَصَيۡتُم مِّنۢ بَعۡدِ مَآ أَرَىٰكُم مَّا تُحِبُّونَۚ مِنكُم مَّن يُرِيدُ
ٱلدُّنۡيَا وَمِنكُم مَّن يُرِيدُ ٱلۡأٓخِرَةَۚ ثُمَّ صَرَفَكُمۡ عَنۡهُمۡ
لِيَبۡتَلِيَكُمۡۖ وَلَقَدۡ عَفَا عَنكُمۡۗ وَٱللَّهُ ذُو فَضۡلٍ عَلَى
ٱلۡمُؤۡمِنِينَ ﴿١٥٢﴾ ۞ إِذۡ تُصۡعِدُونَ وَلَا تَلۡوُۥنَ عَلَىٰٓ أَحَدٖ وَٱلرَّسُولُ
يَدۡعُوكُمۡ فِيٓ أُخۡرَىٰكُمۡ فَأَثَٰبَكُمۡ غَمَّۢا بِغَمّٖ لِّكَيۡلَا تَحۡزَنُواْ
عَلَىٰ مَا فَاتَكُمۡ وَلَا مَآ أَصَابَكُمۡۗ وَٱللَّهُ خَبِيرُۢ بِمَا تَعۡمَلُونَ
﴿١٥٣﴾ ثُمَّ أَنزَلَ عَلَيۡكُم مِّنۢ بَعۡدِ ٱلۡغَمِّ أَمَنَةٗ نُّعَاسٗا يَغۡشَىٰ
طَآئِفَةٗ مِّنكُمۡۖ وَطَآئِفَةٞ قَدۡ أَهَمَّتۡهُمۡ أَنفُسُهُمۡ يَظُنُّونَ بِٱللَّهِ
غَيۡرَ ٱلۡحَقِّ ظَنَّ ٱلۡجَٰهِلِيَّةِۖ يَقُولُونَ هَل لَّنَا مِنَ ٱلۡأَمۡرِ مِن
شَيۡءٖۗ قُلۡ إِنَّ ٱلۡأَمۡرَ كُلَّهُۥ لِلَّهِۗ يُخۡفُونَ فِيٓ أَنفُسِهِم مَّا لَا
يُبۡدُونَ لَكَۖ يَقُولُونَ لَوۡ كَانَ لَنَا مِنَ ٱلۡأَمۡرِ شَيۡءٞ مَّا قُتِلۡنَا
هَٰهُنَاۗ قُل لَّوۡ كُنتُمۡ فِي بُيُوتِكُمۡ لَبَرَزَ ٱلَّذِينَ كُتِبَ عَلَيۡهِمُ
ٱلۡقَتۡلُ إِلَىٰ مَضَاجِعِهِمۡۖ وَلِيَبۡتَلِيَ ٱللَّهُ مَا فِي صُدُورِكُمۡ

وَلِيُمَحِّصَ مَا فِي قُلُوبِكُمْ ۚ وَاللَّهُ عَلِيمٌ بِذَاتِ الصُّدُورِ ﴿١٥٤﴾
إِنَّ الَّذِينَ تَوَلَّوْا مِنكُمْ يَوْمَ الْتَقَى الْجَمْعَانِ إِنَّمَا اسْتَزَلَّهُمُ
الشَّيْطَانُ بِبَعْضِ مَا كَسَبُوا ۖ وَلَقَدْ عَفَا اللَّهُ عَنْهُمْ ۗ إِنَّ اللَّهَ
غَفُورٌ حَلِيمٌ ﴿١٥٥﴾

Theme	
Do not follow the unbelievers. The result of disobeying the Rasool. After grief, Allah bestowed peace. There is no escape from death.	काफ़िरों की पैरवी न करो। रसूल ﷺ की नाफ़रमानी का अंजाम। ग़म के बाद अल्लाह तआला ने सुकून अता फ़रमाया। मौत से फ़रार मुमकिन नहीं।
Tarjumani	
O believers! If you yield to the unbelievers, they will drag you back to unbelief and you will become the losers. The fact is that Allah is your Protector and He is the best of all helpers Soon We shall cast terror into the hearts of the unbelievers for they commit shirk with Allah, for which He has revealed no authority. The hellfire shall be their home; and evil is the home of the wrongdoers. Allah did indeed fulfill His promise to you, when, with His leave, you defeated them until you flinched and fell into dispute about the order and disobeyed the Prophet, after Allah had brought within your sight that which you love. Among you there were some who desired the gain of this world and some who desired the	ऐ लोगो जो ईमान लाए हो, अगर तुम उन लोगों के इशारों पर चलोगे जिन्होंने कुफ़्र की राह इखतियार की है तो वे तुमको उलटा फेर ले जाएँगे और तुम नामुराद हो जाओगे	(उनकी बातें गलत हैं) हकीक़त यह है कि अल्लाह तुम्हारा हामी व मददगार है और वह बेहतरीन मदद करनेवाला है	अनकरीब वह वक़्त आनेवाला है जब हम मुनकिरीने-हक़ के दिलों में रोब बिठा देंगे, इसलिए कि उन्होंने अल्लाह के साथ उनको खुदाई में शरीक ठहराया है जिनके शरीक होने पर अल्लाह ने कोई सनद नाज़िल नहीं की	उनका आख़िरी ठिकाना जहन्नम है और बहुत ही बुरी है वह कियामगाह जो उन ज़ालिमों को नसीब होगी	अल्लाह ने (ताईद व नुसरत का) जो वादा तुमसे किया था वह तो उसने पूरा कर दिया	इबतिदा में उसके हुक्म से तुम ही उनको क़त्ल कर रहे थे	मगर जब तुमने कमज़ोरी दिखाई और अपने

gain of the Hereafter. He allowed you to be defeated in order to test you, but now He has forgiven you, for Allah is gracious to the believers. Remember, how you fled in panic and did not even look back at one another while the Rasool, at your rear, was calling out to you! Consequently, Allah inflicted upon you one sorrow after another to teach you a lesson, so that you may not grieve for what you lose, nor at any misfortune you may encounter. Allah is well aware of all that you do. Then, after this grief, He bestowed a slumber, which peace on some of you overcame them while the others were in anxiety as how to save themselves, holding unjust and wrong suspicions about Allah, the suspicions of ignorance. Now they ask: "Have we any say in the matter?" Tell them: "All matters are in the hands of Allah." They hide in their minds what they dare not reveal to you, saying: "If we had any say in the matter, none of us would have been killed here." Say to them: "Even if you had remained in your homes, those of you who were destined to be killed would nevertheless have been killed; but it was Allah's will to test your faith and purge what was in your hearts. Allah has knowledge of the secrets of your hearts. In fact those of you

काम में बाहम इखतिलाफ किया, और ज्यों ही कि वह चीज़ अल्लाह ने तुम्हें दिखाई जिसकी महब्बत में तुम गिरफ़्तार थे (यानी माले-गनीमत) तुम अपने सरदार के हुक्म की ख़िलाफ़वर्ज़ी कर बैठे--- इसलिए कि तुममें से कुछ लोग दुनिया के तालिब थे और कुछ आख़िरत की ख़ाहिश रखते थे--- तब अल्लाह ने तुम्हें काफ़िरों के मुक़ाबले में पस्पा कर दिया ताकि तुम्हारी आज़माइश करे| और हक़ यह है कि अल्लाह ने फिर भी तुम्हें माफ़ ही कर दिया क्योंकि मोमिनों पर अल्लाह बड़ी नज़रे-इनायत रखता है | याद करो जब तुम भागे चले जा रहे थे, किसी की तरफ़ पलटकर देखने तक का होश तुम्हें न था, और रसूल तुम्हारे पीछे तुमको पुकार रहा था, उस वक़्त तुम्हारी इस रविश का बदला अल्लाह ने तुम्हें यह दिया कि तुमको रंज पर रंज दिए ताकि आइन्दा के लिए तुम्हें यह सबक़ मिले कि जो कुछ तुन्हारे हाथ से जाए या जो मुसीबत तुमपर नाज़िल हो उसपर मलूल न हो | अल्लाह तुम्हारे सब आमाल से बाख़बर है | इस गम क बाद फिर अल्लाह ने तुममें से कुछ लोगों पर ऐसी इत्मीनान की-सी हालत तारी कर दी कि वे ऊँघने लगे | मगर एक दूसरा गरोह, जिसके लिए सारी अहमियत बस अपनी ज़ात ही की थी, अल्लाह के मुतअल्लिक तरह-तरह के जाहिलाना गुमान करने लगा जो सरासर खिलाफे-हक़ थे | ये लोग अब कहते हैं "इस काम के चलाने में हमारा भी कोई हिस्सा है?" इनसे कहो, "(किसी का कोई हिस्सा नहीं) इस काम के सारे इखतियारत अल्लाह के हाथ में हैं |" दरअस्ल ये लोग अपने दिलों में जो बात छिपाए हुए हैं उसे तुमपर ज़ाहिर

who turned their backs on the day when the two armies met, they failed in their duty because they were seduced by Shaitan on account of some of their shortcomings. But now Allah has pardoned them; for Allah is Forgiving, Forbearing.	नहीं करते	इनका अस्ल मतलब यह है कि "अगर (कियादत के) इखतियारात में हमारा कुछ हिस्सा होता तो यहाँ हम न मारे जाते |" इनसे कह दो कि अगर तुम अपने घरों में भी होते तो जिन लोगों की मौत लिखी हुई थी वे ख़ुद अपनी कत्लगाहों की तरफ़ निकल आते	और यह मामला जो पेश आया, यह तो इसलिए था कि जो तुम्हारे सीनों में पोशीदा है अल्लाह उसे आज़मा ले और जो खोट तुम्हारे दिलों में है उसे छाँट दे, अल्लाह दिलों का हाल ख़ूब जानता है	तुममें से जो लोग मुक़ाबले के दिन पीठ फेर गए थे उनकी इस लगजिश का सबब यह था कि उनकी बाज़ कमज़ोरियों की वज़ह से शैतान ने उनके क़दम डगमगा दिए थे	अल्लाह ने उन्हें माफ़ कर दिया, अल्लाह बहुत दरगुज़र करनेवाला और बुर्दबार है	
Tafsir	